ज.10 एसबीआइ लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. (एसबीआइ लाइफ)

एसबीआइ लाइफ के पास एक अनूठी बहु-वितरण प्रक्रिया है जिसमें बैंक अश्योरेंस, रीटेल एजेंसी एवं इन्स्टीट्यूशनल सहयोगियों एवं ग्रुप कारपोरेट माध्यमों के जरिए बीमा उत्पादों का वितरण किया जाता है। मार्च 2008 तक सकल बीमा किस्त आय रु.5622 करोड़ रही। वर्ष के दौरान कंपनी ने 19 लाख नया जीवन-बीमा किया। एसी नेलसन ऑर्ग-मार्ग एवं इकोनॉमिक टाइम्स के सहयोग से ब्रान्च ईक्विटी द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार एसबीआइ लाइफ को "दि मोस्ट ट्रस्टेड प्राइवेट सेक्टर लाइफ इश्योरेंस कंपनी" के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है। क्रिसिल द्वारा भी इसे "एएए" की उच्चतम वित्तीय रेटिंग प्रदान की गई है। एसबीआइ लाइफ को आइटी प्रक्रियाओं एवं सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट क्षमताओं के लिए प्रतिष्ठित सीएमएमआइ लेवल 3 का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। हाल ही में इसे आइएसओ 9001 : 2000 का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। वर्ष 2007 के लिए मिलियन डालर राउन्ड टेबल (एमडीआरटी) सदस्यों के रूप में सर्वाधिक बीमा सलाहकारों द्वारा सेवा प्रदान किए जाने के कारण एसबीआइ लाइफ को विश्वस्तर पर 5वीं रैंकिंग प्रदान की गई है।

ज.11 एसबीआइ फंड्स मैनेजमेंट (प्राइवेट) लिमिटेड (एसबीआइएफएमपीएल)

एसबीआइएफएमपीएल को बतौर सर्वाधिक पसंद किए जाने वाले म्यूचुअल फंड ब्राण्ड हेतु सीएनबीसी आवाज कन्ज्यूमर्स अवार्ड 2007 से सम्मानित किया गया । साथ ही इसे सर्वोत्तम इक्विटी फंड हाउस एवं वर्ष 2007 के संपूर्णत: सर्वोत्तम फंड हाउस हेतु आउट लुक मनी एवं एनडीटीवी प्रॉफिट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया । दि लिपर ग्लोबल रैंकिंग स्टडी के अनुसार इस फंड की दो योजनाओं मुख्यत: एसबीआइ मैगनम टैक्स गेन एवं एसबीआइ मैगनम कामा फंड को 31 दिसंबर 2007 को समाप्त अवधि हेतु संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ 100 योजनाओं में स्थान प्रदान किया गया है। मैगनम बैलेंस्ड फंड, मैगनम टैक्सगेन स्कीम एवं मैगनम सेक्टर फंड्स अम्ब्रेला - कॉन्ट्राफंड को आइसीआरए द्वारा सात-सितारा फंड का दर्जा प्रदान किया गया तथा 31 दिसंबर 2007 को समाप्त अवधि हेतु अपनी संबंधित श्रेणियों में सर्वोत्कृष्ट निष्पादन हेतु आइसीआरए म्यूचुअल फंड "गोल्ड अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इस फंड द्वारा संचालित पाँच स्कीमों को विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत 31 दिसंबर 2007 को समाप्त अवधि हेतु शीर्ष 10% में उनके निष्पादन की दृष्टि से आइसीआरए म्यूचुअल फंड "सिलवर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। प्रबंध अधीन आस्तिओं के मामले में यह 31.03.2008 को सातवें से छठे स्थान पर पहुंच गया।

प्रबंधन के अधीन 31.03.2008 की स्थिति के अनुसार कुल रु.26490 करोड़ की निवल आस्तियाँ रहीं जबकि 31.03.2007 की स्थिति के अनुसार कुल आस्तियाँ रु.17,016 करोड़ की थी। 31.03.2007 के रु.1372 करोड़ की तुलना में 31.03.2008 को प्रबंधन के अधीन आस्तियों का कुल मूल्य रु.5003 करोड़ था। एसबीआइएफएमपीएल ने 31.03.2007 को समाप्त विगत वर्ष के रु.29.78 करोड़ की तुलना में 31.03.2008 को कर पश्चात् रु.70.37 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है।

ज.12 एसबीआइ फैक्टर्स एण्ड कॉमर्शियल सर्विसेज प्रा.लि. (एसबीआइ फैक्टर्स)

वर्ष के दौरान कंपनी के आस्ति स्तर में 56% की वृद्धि (रु.1220 करोड़ से बढ़कर रु.1,908 करोड़) हुई। कंपनी ने कुल आय में 53% की संवृद्धि (वर्ष दर वर्ष) दर्ज की तथा पिछले वर्ष के रु.20.36 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु.43.17 करोड़ का कर-पूर्व लाभ कमाया जबकि कर पश्चात लाभ पिछले वर्ष के रु.13.17 करोड़ से बढ़कर रु.28.38 करोड़ हो गया।

ज.13 ग्लोबल ट्रेड फाइनेंस लिमिटेड

स्टेट बैंक ने ग्लोबल ट्रेड फाइनेंस लिमिटेड में एक्जिम बैंक (40%), इंटरनेशनल फाइनेंस कारपोरेशन, वाशिंग्टन (12.50%), एवं एफआइएम बैंक (38.50%) की शेयरधारिता का अधिग्रहण करते हुए कंपनी में 91% स्टेक का अधिग्रहण किया। अतिरिक्त पूंजी लगाते हुए जीटीएफ में स्टेट बैंक की वर्तमान शेयरधारिता 92.03% हो गई है।

भारत के फैक्टरिंग उद्योग में जीटीएफ एक अग्रणी कारक बन चुका है। एनबीएफसी द्वारा जो बिजनेस - टू - बिजनेस (बी 2 बी) खंड के अंतर्गत ट्रेड फाइनेंसिंग की सुविधा प्रदान करता है, 31 मार्च 2008 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु 155% की वृद्धि के साथ रु.73.60 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया गया है जबकि विगत वर्ष की संगत अवधि के दौरान रु.28.90 करोड़ का लाभ दर्ज किया गया था।

झ. आस्ति गुणवत्ता

अनर्जक आस्ति प्रबंधन

31.3.2008 की स्थिति के अनुसार अनर्जक आस्तियों में कटौती की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है :

तालिका सं. : 11 आस्ति गुणवत्ता

(राशि रुपए करोड़ में)

	विवरण	राशि
1	सकल अनर्जक आस्तियाँ	12,837.34
2	सकल अनर्जक आस्तियाँ प्रतिशत	3.04%
3	निवल अनर्जक आस्तियाँ	7,424.34
4	निवल अनर्जक आस्तियाँ प्रतिशत	1.78%
5	अनर्जक आस्तियों की नकद वसूली	1,732.15
6	मानक आस्तियों के रूप में कोटिउन्नयन	1,516.84
7	बट्टे खाते	1,242.52
8	सकल कटौती (3+4+5)	4,491.51
9	बट्टे खाते वसूली	838.64

1.1.2 कंपनी ऋण पुनर्गठन (सीडीआर) व्यवस्था तथा बैंक की अपनी योजना दोनों के अंतर्गत अपसामान्य मानक आस्तियों तथा व्यवहार्य अलाभकारी आस्तियों के पुनर्गठन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई जिससे अनर्जक आस्तियों में नए परिवर्धन को रोका जा सके तथा अलाभकारी आस्तियों के वर्तमान स्तर को भी कम किया जा सके। इस उद्देश्य से विशेष रूप से उल्लिखित खातों की पहचान करने एवं उनकी निगरानी करने संबंधी व्यवस्था की तत्काल समीक्षा की गई व त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की गई।

H.10. SBI LIFE INSURANCE COMPANY LIMITED (SBILIFE)

SBI Life has a unique multi-distribution model comprising Bancassurance, Retail Agency & Institutional Alliances and Group Corporate Channels for distribution of Insurance products. Gross premium income was over Rs.5,622 crore for the period ended March 2008. The Company has added 19 lac new lives during the year. SBI Life has been rated as "The Most Trusted Private Sector Life Insurance Company" according to a survey conducted by Brand Equity in association with AC Nielsen ORG-MARG and the Economic Times. It has also received the highest financial rating 'AAA' from CRISIL. SBI Life has achieved the prestigious CMMI Level 3 certification for Information Systems Group (ISG) and has recently been awarded ISO 9001:2000 certification for Claims department. It has been ranked 5th across the world in terms of number of Million Dollar Round Table members for 2007.

H.11. SBI Funds Management (P) Ltd. (SBIFMPL)

SBIFMPL was conferred with CNBC AWAAZ Consumer Award 2007 for the most preferred Brand of Mutual fund and also received the Outlook Money and NDTV Profit Awards for the Best Equity Fund House and the Overall Best Fund House for 2007. The Lipper Global Ranking study rated two schemes managed by SBIFMPL, namely SBI Magnum Tax Gain and SBI Magnum COMMA Fund among the best performing 100 schemes across the world for the period ended 31st December, 2007. Magnum Balanced Fund, Magnum Taxgain Scheme and Magnum Sector Funds Umbrella-Contra Fund were ranked Seven Star Funds by ICRA and won ICRA Mutual Fund "Gold Awards: for best performance in their respective categories for the period ended 31st December, 2007 ICRA Mutual Fund "Silver Awards" was also won by five of the schemes managed by SBIFMPL for performance among the top 10% for the period ended 31st December, 2007 in various categories. Ranking in terms of Assets Under Management improved by one notch from 7th to 6th position as on 31.03.2008

The total net assets under management stood at Rs. 26490 crore as on 31.03.2008 as against Rs17,016 crore as on 31.03.2007. The value of portfolio assets managed was Rs.5,003 crore as on 31.03.2008 as against Rs.1,372 crore as on 31.03.2007. SBIFMPL reported a net profit of Rs.70.37 crore after tax as on 31.03.2008 as against Rs.29.78 crore for the previous year.

H.12 SBI Factors and Commercial Services Pvt. Ltd. (SBIFACTORS)

Asset level of the Company increased by 56% (from Rs.1,220 crore to Rs.1,908 crore). It recorded a growth of 53% (year-on-year) in total income and ended the year with a PBT of Rs. 43.17 crore as against Rs.20.36 crore last year and PAT of Rs.28.38 crore, as against Rs. 13.17 crore last year.

H.13 Global Trade Finance Ltd (GTFL)

State Bank of India acquired 91% stake in GTFL, by acquiring shareholdings held by EXIM Bank (40%), International Finance Corporation, Washington (12.50%), and FIM Bank (38.50%) in GTFL. Due to further infusion of capital, present shareholding of SBI in GTFL is 92.03%.

GTFL is one of the leading Factoring Companies in India and has the highest market share (85%) in Export & Import Factoring. The NBFC, which is into trade financing in the business-to-business (B2B) segment, has reported a 155% jump in its net profit to Rs.73.60 crore for the financial year ended March 31, 2008, as against Rs.28.90 crore in the corresponding period last year.

I. ASSET QUALITY

NPA MANAGEMENT

The position of NPA reduction as on 31.03.2008 is given in the table below:

Table No : 11 Asset Quality

(Amount in Rs. crore)

	Particulars	Amount
1	Gross NPA	12,837.34
2	Gross NPA Percentage	3.04%
3	Net NPA	7,424.34
4	Net NPA Percentage	1.78%
5	Cash Recovery in NPA	1,732.15
6	Upgradation to Standard Assets	1,516.84
7	Write Off	1,242.52
8	Gross Reduction (3+4+5)	4,491.51
9	Recovery in written off account	838.64

I.1.2. Restructuring of impaired Standard Assets as well as viable non performing assets, both under CDR mechanism as well as under Bank's own scheme, has been given top priority for arresting new additions and reducing the existing level of NPAs. The machinery for identification and monitoring of Special Mention Accounts as per the guidelines of RBI by making prompt review and taking quick corrective action has also been geared up for the purpose.

तनावग्रस्त आस्तियों (एसएमए एवं एनपीए) हेतु जिनके पुनरुत्थान की व्यापक संभावना होती है, कंपनी ऋण पुनर्गठन व्यवस्था एक संकल्पात्मक विकल्प बनकर उभरा है। संपूर्ण बैंकिंग प्रणाली से सीडीआर के अंतर्गत लाई गई 165 कंपनियों में से 61% कंपनियों के मामलों में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा ऋण दिया गया है (अर्थात् 101 कंपनियों में रु.7649 करोड़ का ऋण दिया गया है)।

इनमें से, सीडीआर मामलों का 21% अर्थात् 29% ऋण युक्त (रु.2,196 करोड़) 22 कंपनियों का पुनरुत्थान हो चुका है एवं उन्नत निष्पादन के फलस्वरूप इन्हें सीडीआर से बाहर निकाल लिया गया है, इनमें से कुछ कंपनियाँ अब उच्च संवृद्धि वाली कंपनियाँ हैं। 23 अन्य मामलों को भी सीडीआर प्रणाली से बाहर निकाल दिया गया है। 31.3.2008 की स्थिति के अनुसार सीडीआर के अंतर्गत 56 सक्रिय मामले हैं जिनमें रु.4,409 करोड़ का ऋण दिया गया है। इसमें से 34 मामलों को जिनमें रु.3,408 करोड़ का ऋण (77%) दिया गया है, "मानक आस्तियों" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

झ.1.3 दो वित्तीय आस्तियाँ जिनकी मूल धन बकाया राशियाँ रु.25.22 करोड़ हैं, वर्ष के दौरान अन्य बैंकों / एआरसीआइएल को बेच दी गई हैं।

झ.1.4 बैंक द्वारा रु. 9 करोड़ के ऋण जोख़िम वाली एक आस्ति की खरीद जिसके साथ बैंक ने अलाभकारी आस्तियों की खरीद का सिलसिला शुरू कर दिया है।

ञ. सूचना प्रौद्योगिकी :

वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करने के लिए बैंक को अत्यधिक सक्रिय संगठन के रूप में रूपांतरित करने की दृष्टि से बैंक द्वारा किए गए सूचना प्रौद्योगिकी विषयक उपायों की प्रमुख भूमिका रही है। व्यवसाय और बाजार अंश के लिए उत्तरोत्तर बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करने, आंतरिक परिचालन में दक्षता प्राप्ति तथा ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए बैंक रणनीतिक पहल के तहत महत्वाकांक्षी प्रौद्योगिकी नीति का पालन कर रहा है। उपर्युक्त लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बैंक द्वारा उठाए गए सूचना प्रौद्योगिकी विषयक उपायों को और भी विस्तारित किया गया जिससे कि और अधिक बैंकिंग संपर्क केंद्रों एवं संपूर्ण व्यवसाय को इसके अंतर्गत समाहित किया जा सके।

ञ.1 कोर बैंकिंग :

कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) के अंतर्गत अबतक 9390 देशी शाखाएँ सम्मिलित की जा चुकी हैं जो बैंक का 98% से भी अधिक देशी व्यवसाय निष्पादित करती हैं। कोर बैंकिंग समाधान के अंतर्गत मल्टीसिटी चेकों एवं अन्य उत्पादों के माध्यम से कभी भी-कहीं भी बैंकिंग की सुविधा प्रदान की गई है। बैंक की 407 शाखाओं में कोर-एकीकृत व्यापार वित्त समाधान की सुविधा प्रदान की गई है। बैंक ने अपने ग्राहकों को व्यापारिक लेनदेनों हेतु संपूर्ण विशिष्टताओं से युक्त "इट्रेड एसबीआइ" इन्टरनेट सुविधा प्रदान की है।

ञ 2 इंटरनेट बैंकिंग : इंटरनेट बैंकिंग को 9,112 देशी शाखाओं में लागू किया गया है। पूछताछ, लेखा विवरण डाउनलोड करने, ई-रेल, इंडियन एयरलाइन्स की ई-टिकटिंग, ई-टैक्स, शुल्क भुगतान, ई-भुगतान (ऑनलाइन युटिलिटी बिल भुगतान), कारपोरेट द्वारा थोक भुगतान, वीसा मनी ट्रांसफर, रियल टाइम ग्रॉस सेटिलमेंट एवं एनईएफटी के जरिए हमारे बैंक के तथा अन्य बैंकों के ग्राहकों को निधियाँ अंतरित करने आदि के लिए खुदरा बैंकिंग के ग्राहकों के साथ-साथ कारपोरेट ग्राहकों द्वारा इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग किया जा रहा है। हमारे इंटरनेट बैंकिंग से हमारे कारपोरेट ग्राहकों को इंटरनेट के जरिए लगभग अपने सभी बैंकिंग लेनदेन पूरा करने में सहायता मिलती है। कारपोरेट इंटरनेट बैंकिंग खाता "विस्तार" के जरिए कारपोरेट अपने कार्यालय में ही बैठे-बैठे रु. 500 करोड़ तक के लेनदेन कर सकते हैं। कारपोरेट इंटरनेट बैंकिंग के ग्राहक ऑनलाइन पर ड्राफ्ट जारी करने का अनुरोध भी कर सकते हैं। वे अपने आपूर्तिकर्ताओं एवं विक्रेताओं को भुगतान करने के अलावा ईपीएफओ, डीजीएफटी एवं ओलटास के भुगतान भी कर सकते हैं।

ञ 3 : विदेश स्थित कार्यालयों के लिए परियोजना : कोष एवं कोर बैंकिंग समाधान के लिए फिनाकल सॉफ्टवेयर को 32 देशों के 82 विदेशी कार्यालयों में लागू किया गया है। हमारे 70 विदेशी कार्यालय 17 देशों में इंटरनेट बैंकिंग सेवा प्रदान करने में सक्षम हैं। 11 देशों की शाखाओं में इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से आइ एन आर प्रेषण सुविधा उपलब्ध कराई गई है।यह सुविधा शीघ्र ही सभी विदेशी शाखाओं को प्रदान की जाएगी। विदेश स्थित हमारे 7 कार्यालयों में एटीएम की सुविधाएँ उपलब्ध करवा दी गई हैं।

ञ 4 : एटीएम : हमारे पास देश का सबसे बड़ा एटीएम नेटवर्क उपलब्ध है, जिसके अंतर्गत देश भर में लगाए गए स्टेट बैंक समूह के 8,460 एटीएम हैं। हमारे एटीएम, युटिलिटी बिलों के भुगतान, मोबाइल टॉप-अप, एसबीआइ कार्ड बिल भुगतान, एसबीआइ लाइफ प्रीमियम भुगतान, न्यासियों / मंदिरों को दान एवं निधि अंतरण जैसी विभिन्न मूल्ययोजित सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम हैं। इसके अलावा 13 बैंकों के साथ द्विपक्षीय सहयोग से हमारे ग्राहकों को 10,500 एटीएमों का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। मार्च 2009 तक कुल 15,000 एटीएम वाला नेटवर्क और मार्च 2010 तक 25000 एटीएम वाला नेटवर्क तैयार करने की हमारी योजना है।

ञ 5 : भुगतान प्रणाली समूह : अपने भुगतान प्रणाली समूह के जरिए हमने रियल टाइम ग्रॉस सेटिलमेंट के लिए 8,817 शाखाओं को तथा नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर के लिए 9425 शाखाओं को सक्षम बनाया है। विदेश स्थित कार्यालयों से स्टेट बैंक समूह की किसी भी शाखा के कोर बैंकिंग खातों में सीधे जमा के लिए हमने तत्काल आवक रुपया प्रेषण शुरू किया है। इस सुविधा को रियल टाइम ग्रॉस सेटिलमेंट तथा नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर के साथ समेकित किया है, जिससे विदेश स्थित कार्यालयों को हमारे देश में किसी भी बैंक को धन प्रेषित करने में सहायता मिलती है। भारतीय स्टेट बैंक की अधिकृत कोर बैंकिंग शाखाओं से नेपाल के लाभार्थियों को ऑनलाइन रुपया भेजने की सुविधा प्रदान की गई है, जो कि इस वर्ष के दौरान शुरू किया गया एक अन्य उत्पाद है। देश के अन्य बैंक भी इस सुविधा के जरिए नेपाल को रुपया भेज सकते हैं। इसके लिए उन्हें पहले अपने यहाँ लेनदेन शुरू करना होगा और बाद में नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर के जरिए उसे भुगतान प्रणाली समूह के भुगतान केंद्र को भेजना होगा।

ञ 6 सूचना सुरक्षा : अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं के समकक्ष बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी नीति एवं सूचना सुरक्षा नीति लागू की गई। पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने की दृष्टि से बैंक की सूचना प्रणालियों की नियमित समीक्षा की जाती है।

CDR system has done well as a resolution option for stressed assets which are seen to have the potential for revival. Out of 165 companies brought under CDR from the entire Banking System, SBI has an exposure in 61% cases (i.e. in 101 companies with exposure of Rs. 7,649 crore).

Out of these, 21% of CDR cases i.e. 22 companies carrying 29% exposure (Rs. 2196 crore) have been revived and have since exited CDR due to improved performance – a few of these being now high growth companies. 23 other cases have been withdrawn from CDR system. Live cases under CDR as on 31.03.2008 number 56, amounting to Rs. 4,409 crore, of which, 34 cases with Rs.3,408 crore (77%) exposure are classified as "Standard".

I.1.3. Two Financial Assets involving principal outstanding of Rs.25.22 crore have been sold to other banks / ARCIL during the year.

I.1.4. One asset with an exposure of Rs.9.00 crore has been purchased with which a beginning has been made in purchase of NPAs by the Bank.

J. INFORMATION TECHNOLOGY:

Our IT initiatives have played a major role in transforming the Bank into a highly responsive organization to meet the challenges of a globalised economy. The Bank is pursuing an aggressive IT policy as a strategic initiative to meet the growing competition for business, achieve efficiency in internal operations and meet customer expectations. With this end in view, the reach of our IT initiatives was expanded to cover more banking touch points and overall business.

J.1. Core Banking: Core Banking Solution (CBS) presently covers 9390 domestic branches transacting more than 98% of the Bank's domestic business. CBS offers anytime anywhere banking through Multicity Cheques and other products. Our 407 branches have been enabled for Core integrated Trade Finance solution. We have provided to our customers a full featured internet frontend 'eTradeSBI' for their trade related transactions.

J.2. Internet Banking: Internet Banking has been implemented at 9112 domestic branches, and is used by retail banking as well as Corporate customers for enquiry, downloading account statements, e-rail, e-ticketing for Indian Airlines, e-tax, fee payment, e-pay (online utility bill payment), Bulk payments by corporates, funds transfer to customers of our Bank as well as of other banks through Visa Money Transfer, RTGS and NEFT. Our Corporate Internet Banking (CINB) enables our corporate customers to transact almost all of their banking transactions through internet. Through our fully featured CINB account 'Vistaar' (Freedom), corporates can make transactions upto an amount of Rs 500 crore per transaction from their own offices. CINB customers can also submit online requests for issue of drafts. They can also make payments to EPFO, DGFT and OLTAS besides making payments to their suppliers and vendors.

J.3. Foreign Offices Project: Finacle software for Treasury and Core Banking Solution has been implemented at 82 foreign offices in 32 countries. Our 70 foreign offices have been enabled in 17 countries to offer Internet Banking. INR remittance facility through Internet Banking has been provided to branches in 11 countries. This facility will be extended to all the foreign branches soon. ATM facilities have also been provided in 7 of our foreign offices.

J.4. ATMs: We have the largest ATM network in the country with 8460 ATMs of State Bank Group installed throughout the length and breadth of the country. Our ATMs are enabled for various value added services like payment of utility bills, mobile top up, SBI card bill payment, SBI Life premium payment, donation to Trusts / Temples and funds transfer. Further, bilateral sharing of ATMs with thirteen banks has brought additional 10500 ATMs within the reach of our customers. We have plans to scale up our ATM network to 15000 by March 2009 and to 25000 by March 2010.

J.5. Payment Systems Group: Through our Payment Systems Group (PSG), we have enabled 8817 branches for RTGS and 9425 branches for NEFT. We also introduced Instant Inward Rupee remittances from Foreign Offices (FOs) for direct credit to CBS accounts in any of the State Bank Group branches. This facility has also been integrated with RTGS and NEFT enabling Foreign Offices to send Rupee remittances to any Bank in the country. On-line Rupee remittance facility to beneficiaries in Nepal from authorised CBS branches of SBI is another product introduced during the year. Other banks in the country can also effect Rupee remittances to Nepal through this facility by originating the transactions at their end and forwarding them through NEFT to the Payment Hub at PSG.

J.6. Information Security: IT Policy and IS Security Policy have been implemented after being benchmarked against best global practices. The Bank's Information Systems are regularly reviewed to ensure that these are adequately secure.